राजस्थान का भूगोल

Geography of Rajasthan

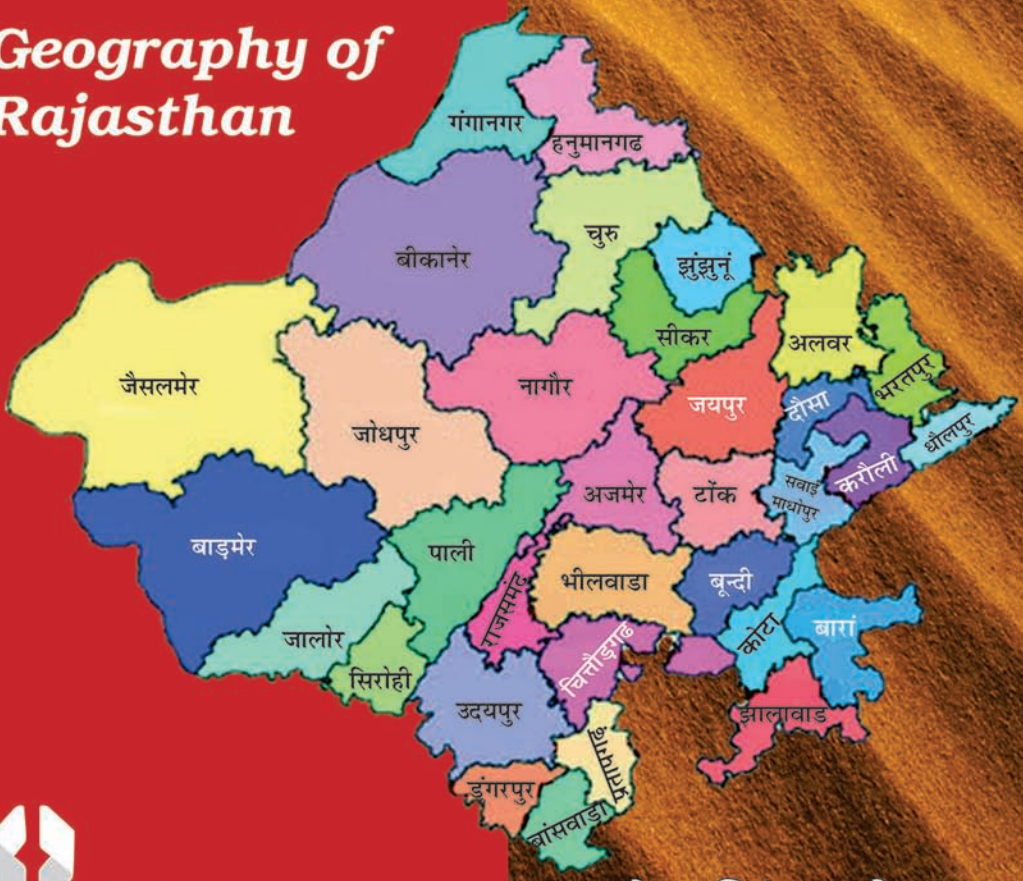

तेजसिंह चौहान

साईन्टिफिक पब्लिशर्स

राजस्थान का भूगोल

GEOGRAPHY OF RAJASTHAN

(द्वितीय संस्करण)

अन्य प्रकाशित पुस्तकें

A to Z Geology of India (Stratigraphy and Fossils) (A Bedside Book)	*– Mathur, O.P.*
Applied Geological Micropalaeontology	*– Kathal P.K.*
Concise Glossary of Geology	*– Mathur S.M.*
Drought Mitigation and Management	*– Kumar S.*
Earth Manual Part 1 3rd Edition	*– USDI*
Economic Mineralization	*– Shrivastava K.L.*
Environment Impact Assessment for Wetland Protection	*– Kulkarni V.S.*
Environmental Engineering and Safety	*– Raut S.*
Environmental Management in Mining Areas	*– Saxena N.C.*
Frontiers of Earth Science	*– Shrivastava K.L.*
Genesis and Management of Sodic (Alkali) Soils	*– Gupta S.K.*
Geo-Informatics for Combating Land Degradation	*– Chauhan, T.S.*
Geological Evolution of Northwestern India	*– Paliwal B.S.*
Geology of Rajasthan (Northwest India) Precambrian to Recent	*– Roy A.B.*
Geo-Resources	*– Shrivastava K.L.*
Global Groundwater Resources and Management	*– Paliwal B.S.*
Historical Geology of India	*– Shah, S.K.*
Micropaleontology and Its Applications	*– Kathal, P.K.*
Mine Closure	*– Saxena N.C.*
Mineral Policy, Mining Laws and Development	*– Jain P.K.*
Mining Environment Management Manual	*– Saxena N.C.*
Monograph on Field Permeability Tests in Alluvium and Rock	*– Shah C.R.*
Perspective on the Nature of Geography	*– Hartshorne, R.*
Reinventing Jharia Coalfield	*– Saxena N.C.*
Remote Sensing and GIS GPS based Resource Management	*– Chauhan, T.S.*
Remote Sensing: Principles and Applications 2nd Ed.	*– Patel A.N.*
Space Technology and GIS for Disaster Monitoring and Mitigation	*– Chauhan, T.S.*
Subsidence Management Handbook	*– Saxena N.C.*
Textbook of Mineral Processing	*– Rao D.V.S*
The Indian Precambrian	*– Paliwal B.S.*
Urban Solid Waste Management in India	*– Ramulu U.S.S.*
Wasteland Management and Environment	*– Roy A.K.*
खनिज सम्पदा और सतत विकास	**– जैन, पी.के.**
धरा और उदधि : उपयोगी रसायन	**– ओझा, डी.डी.**

For more details visit website **www.scientificpub.com**

राजस्थान का भूगोल

GEOGRAPHY OF RAJASTHAN

(द्वितीय संस्करण)

राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों की स्नातक, ऑनर्स
एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार

डॉ. तेजसिंह चौहान
भूगोल विभाग (रिटायर्ड)
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

साईन्टिफिक
पब्लिशर्स

प्रकाशक

साईन्टिफिक पब्लीशर्स (इण्डिया)

5-ए, न्यू पाली रोड, पो. बा. नं. 91

जोधपुर-342 001 (राज.)

टेलिफोन : 0291-2433323

E-mai: info@scientificpub.com
Web: www.scientificpub.com

प्रकाशन : **2019**

समस्त अधिकार आरक्षित है इस प्रशासन अथवा इसमें प्रस्तुत रूपान्तरित संक्षिप्त अनुवादित या भण्डारित पुन: प्राप्य प्रणाली, कम्प्यूटर प्रणाली, छाया चित्रांकन या अन्य पद्धतियों में अथवा किसी भी प्रारूप में संचारित अथवा किसी साधन से इलेक्ट्रॉनिक यान्त्रिकी प्रतिलिपीकरण, ध्वनि अंकन अथवा अन्यथा से प्रकाशन की पूर्व लिखित अनुमति के बिना नहीं की जा सकेगी।

अस्वीकरण- यद्यपि प्रत्येक प्रयास त्रुटियाँ और लोगों को टालने का है यह प्रकाशन इस समझ- बूझ पर है कि न तो सम्पादक (या लेखक) ना ही प्रकाशक ना ही मुद्रक, किसी भी रूप से किसी व्यक्ति के प्रति जिम्मेदार नहीं हो सकेगें। इस प्रकाशन में यदि किसी त्रुटि या लोप के लिये अथवा उस किसी कार्यवाही के लिये ही जो इस कार्य के आधार पर की जाये। कोई असावधानी की विसंगति प्रकाशक के ध्यान में भविष्य के संस्करण में उसके सुधार के लिये लायी जा सकेगी यदि उसका प्रकाशन हो।

व्यापार चिन्ह सूचना- उत्पादन अथवा निगमन नाम, व्यापार चिन्ह अथवा पंजीकृत व्यापार चिन्ह हो सकेगें और उसका उपयोग उल्लंघन, के इरादे के बिना केवल पहचान या स्पष्टीकरण के लिये किया जा सकेगा।

ISBN: 978-93-87307-20-9
eISBN: 978-93-88043-79-3

© **2018** द्वितीय संस्करण तेजसिंह चौहान

रूपये : **395/-**

भारत में मुद्रित

स्नेहिल पिताजी
एवं
वात्सल्यमयी माँ
को
सादर समर्पित

प्राक्कथन

भारतवर्ष के उत्तर-पश्चिमी भाग में 'पतंग' की आकृति से युक्त राजस्थान राज्य स्पृहणीय इतिहास, विशाल क्षेत्रफल, धरातल-जलवायु विषयक वैविध्य, चित्ताकर्षक वन्य पशुपक्षी, प्रचुर पशु-खनिज-कृषि संसाधनों, अपेक्षाकृत कम जनसंख्या एवं विपुल संभावनाओं का ऐसा इन्द्रधनुषी वितान प्रस्तुत करता है जिसकी ओर भूगोलवेत्ताओं के साथ-साथ अन्य प्राकृतिक-सामाजिक वैज्ञानिक, पर्यावरणविद्, पर्यटक एवं योजनाकार स्वाभाविक रूप से आकृष्ट होते रहे हैं। प्रस्तुत पुस्तक में इसी इन्द्रधनुषी छटा को भौगोलिक दृष्टि से निहारकर उसके विविध रंगों का वैज्ञानिक ढंग से विवेचन का प्रयास किया गया है। मरु (मरुस्थल) मेरु (अरावली पर्वतमाला) व माल (उपजाऊ पठार-मैदान) की त्रिवेणी-राजस्थान के प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्षों की क्रियात्मक सहसम्बन्ध पद्धति द्वारा संतुलित विवेचना के साथ-साथ इस ग्रन्थ में थार की उत्पति एवं मरुस्थलीय, वन्य पषुपक्षी, परती/बंजर भूमि, जनजाति व पर्यटन जैसे अतीव महत्वपूर्ण एवं नवीन विषयों की विशद् व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

राजस्थान के विभिन्न भौगोलिक पहलुओं का प्रस्तुतीकरण कई पुस्तकों एवं शोधपत्रों से हुआ है, किन्तु सामान्यत: यह सामग्री अंग्रेजी भाषा में होने के कारण हिन्दी भाषी पाठकों के लिये अनुपयोगी किंवा कम उपयोगी सिद्ध हुआ है। उक्त सुधी पाठकों की महती समस्या का समाधान करने हेतु राजस्थान विषयक भौगोलिक को हिन्दी भाषा में स्तरीय पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करने के मेरे विचार ने इस ग्रन्थ के रूप में कई वर्षों के बाद आकार ग्रहण किया है। सुविधा के लिये आवश्यक शीर्षक अंग्रेजी में भी दिए गए हैं।

इस पुस्तक में केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा निर्धारित भूगोल विषयक वैज्ञानिक शब्दावली का उपयोग किया गया है। विषयानुकूल शताधिक मानचित्र व छायाचित्र तथा नवीनतम सांख्यिकीय तथ्यों का समायोजन कर ग्रन्थ का कलेवर सुन्दर एवं प्रभावी बनाया गया है। यहाँ यह संकेत देना उचित एवं सामयिक है कि पूर्णत: शैक्षिक उद्देश्य से प्रदर्शित उक्त मानचित्रों की अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्प्रान्तीय (राजयीय) सीमायें भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा न तो सत्यापित है और न ही प्रमाणित।

द्वितीय संस्करण की भूमिका

राजस्थान का भूगोल पुस्तक का नवीनतम (द्वितीय) संशोधित, परिवर्धित संस्करण प्रस्तुत करते हुए लेखक बड़ा ही हर्ष महसूस कर रहा है। मुझको पाठकों ने कुछ सुझाव भी भेजे जिनका समावेश इस संस्करण में कर दिया गया है।

मैं प्रो. पवन कुमार शर्मा, प्रबन्ध निदेशक, **साईंटिफीक पब्लिकेशन** एवं वितरक का आभारी हूँ जिन्होंने समय पर इस पुस्तक का प्रकाशित किया। आशा है पुस्तक का प्रकाशित विद्यार्थियों, प्राध्यापकों के लिए ही नहीं अपितु प्रशासकों, नियोजन एवं जनसाधारण के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्द्धक होगी।

— तेजसिंह चौहान

विषय–सूची

अध्याय		पृष्ठ
	प्राक्कथन	*v*
1.	परिचय (Introduction)	1
2.	भूगर्भिक संरचना (Geology)	11
3.	भौतिक स्वरूप (Physiography)	20
4.	थार की उत्पत्ति एवं मरुस्थलीकरण (Origin of Thar and Desrtification)	37
5.	अपवाह प्रणाली और झीलें (Drainage System and Lakes)	54
6.	जलवायु (Climate)	64
7.	वन एवं वनस्पति (Forest and Vegetation)	91
8.	मिट्टी संसाधन (Soil Resources)	106
9.	जल संसाधन (Water Resources)	121
10.	वन्य पशु–पक्षी (Wildlife and Birds)	126
11.	आपदा प्रबन्धन (Disaster Management)	147
12.	परती भूमि/बंजर भूमि (Wasteland)	163
13.	कृषि संसाधन (Agriculture Resources)	179
14.	सिंचाई (Irrigation)	223
15.	पशुपालन (Animal Husbandry)	241
16.	खनिज संसाधन (Mineral Resources)	268
17.	ऊर्जा के स्त्रोत (Energy Resources)	294
18.	उद्योग (Industries)	305
19.	यातायात संचार एवं व्यापार (Transport Communication and Trade)	337
20.	जनसंख्या (Population)	368
21.	जनजाति/आदिवासी (Trible/Tribes)	400
22.	पर्यटक व्यवसाय (Tourist Industry)	414
23.	भौगोलिक प्रदेश (Geographical Regions)	447